Aarti of Shri Ganesh Ji -
आरती श्री गणेश जी की -

जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा,

माता जाकी पार्वती पिता महादेवा।

एक दन्त दयावन्त चार भुजाधारी,

मस्तक पर सिन्दूर सोहे मूसे की सवारी।

अन्धन को आँख देत कोढ़िन को काया,

बाँझन को पुत्र देत निर्धन को माया।

पान चढ़े फूल चढ़े और चढ़े मेवा,

लड्डुअन का भोग लागे संत करें सेवा,

भक्तों की लाज राखो शंभु सूतवारी।

कामना को पूर्ण करे जग बलिहारी।

जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा,

माता जाकी पार्वती पिता महादेवा।

सभी आरती के पीडीएफ कहीं भी डाउनलोड करें.-

atozpe.in से